बिहार

NEWS18 PAPER

VOL. 2026 NO. 011 | SUN, NOV 8, 2026

PRICE ₹ ~~3.00~~ FREE

सब्सक्राइब करें | फॉलो करें

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज

संजय झा से मिलीं 'लेडी सिंघम' काम्या मिश्रा, क्या अब राजनीति में रखेंगी कदम?

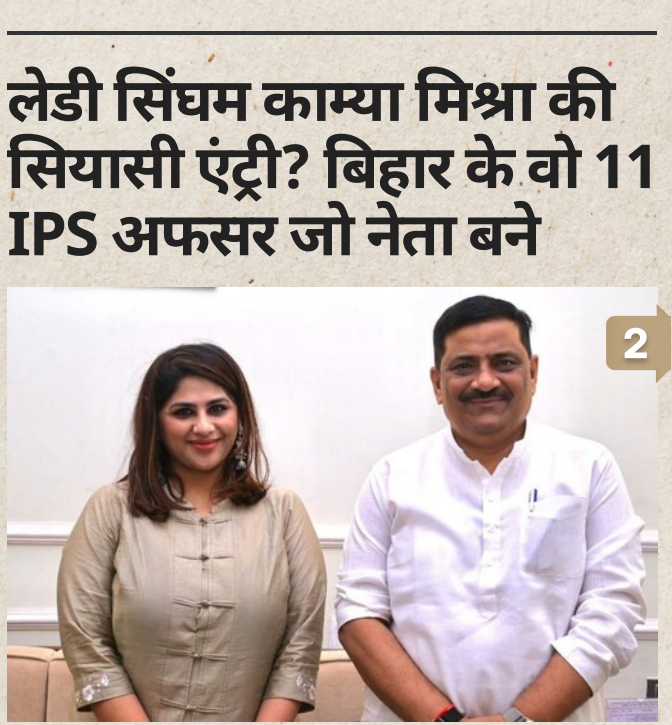

पूर्व आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा ने जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से पटना में मुलाकात की, जिसे दिवाली की शुभकामना भेंट बताया गया। इस मुलाकात के बाद काम्या मिश्रा के बिहार की राजनीति में आने की अटकलें तेज हो गई हैं। काम्या मिश्रा ने अगस्त 2024 में आईपीएस पद से इस्तीफा देकर पारिवारिक कारोबार संभाला है। वे अपने सख्त पुलिस कार्यशैली और जीतनराम सहनी हत्याकांड के खुलासे के लिए चर्चित रही हैं। फिलहाल उनकी राजनीति में प्रवेश को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है।... **और पढ़ें** ↓

लेडी सिंघम काम्या मिश्रा की सियासी एंट्री? बिहार के वो 11 IPS अफसर जो नेता बने

बिहार में पूर्व आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा की जेडीयू नेता संजय झा से मुलाकात के बाद उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बिहार में पहले भी कई आईपीएस अधिकारी राजनीति में आ चुके हैं, जिनमें कुछ सफल हुए हैं और कुछ को हार का सामना करना पड़ा है। काम्या मिश्रा के राजनीति में आने को लेकर चर्चा जोरों पर है, लेकिन फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।... **और पढ़ें** ↓

अनंत सिंह के पुत्र अभिषेक की सक्रियता के बीच सूरजभान के बेटे अमितोष भी एक्टिव

मोकामा में छठ घाटों की सफाई और मरम्मत के बहाने राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विधायक अनंत सिंह के बेटे के चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद सूरजभान सिंह के पुत्र अमितोष सिंह भी क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं। अमितोष सिंह ने 38 घाटों की मरम्मत और सफाई का कार्य शुरू कराया है। दोनों नेताओं के पुत्रों की सक्रियता से मोकामा की राजनीति में नई पीढ़ी के बीच वर्चस्व की लड़ाई और दिलचस्प हो गई है।... **और पढ़ें** ↓

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

ब्लैकलिस्ट हुई एजेंसी को कैसे मिला बिहार विधान परिषद भर्ती के चयन का जिम्मा?

बिहार विधान परिषद की भर्ती प्रक्रिया में चयनित एजेंसी सीएस डेटामाशन रिसर्च सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर पूर्व में गड़बड़ी और ब्लैकलिस्टिंग के आरोप लगे हैं, जिससे एजेंसी के चयन और पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व सभापति अवधेश नारायण सिंह ने अपने कार्यकाल में अनियमितता से इनकार किया और इसे राजनीतिक साजिश बताया। अब भर्ती प्रक्रिया और एजेंसी के रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच की मांग हो रही है, जिससे आरोपों की सच्चाई सामने आ सके।... **और पढ़ें** ↓

पाकिस्तान में बैठा साइबर ठग, बिहार में कमीशन का खेल; मोतिहारी में बड़ा खुलासा

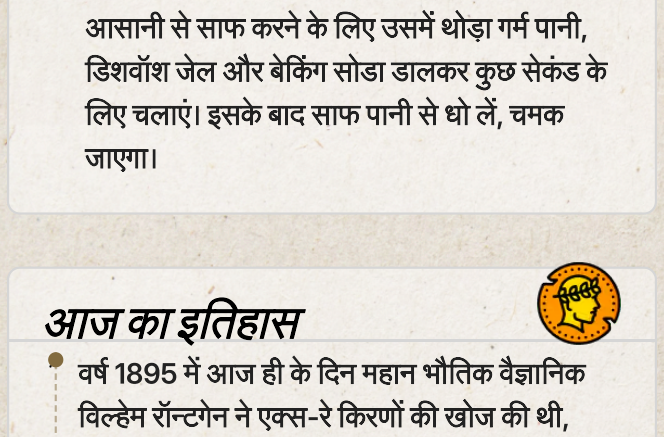

मोतिहारी, बिहार में साइबर ठगी के मामले में पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आया है। पुलिस ने बेली सराय से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से कई बैंकों के एटीएम कार्ड, पैन कार्ड और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जांच में पता चला कि आरोपी पाकिस्तान में बैठे साइबर ठगों के इशारे पर कमीशन के लिए ठगी की रकम ट्रांसफर करते थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए SIT और IB जांच में जुटी है तथा पूरे नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।... **और पढ़ें** ↓

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

आज का 'लाइफ हैक'

मिक्सर ग्राइंडर के ब्लेड में फंसे मसाले और गंदगी को आसानी से साफ करने के लिए उसमें थोड़ा गर्म पानी, डिशवॉश जेल और बेकिंग सोडा डालकर कुछ सेकंड के लिए चलाएं। इसके बाद साफ पानी से धो लें, चमक जाएगा।

आज का इतिहास

- वर्ष 1895 में आज ही के दिन महान भौतिक वैज्ञानिक विल्हेम रॉन्टगेन ने एक्स-रे किरणों की खोज की थी, जिसने चिकित्सा विज्ञान की दुनिया में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने का अद्भुत कार्य किया था।
- साल 1927 में प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्देशक और संगीतकार भूपेन हजारिका का जन्म हुआ था, जिन्होंने अपनी मधुर आवाज और असमिया संस्कृति के गीतों से पूरे देश के संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दिनभर की खबरों का डोज

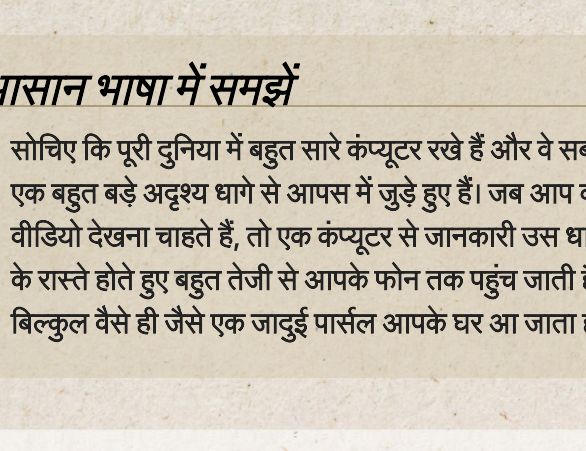

मुखबिर की सूचना, पुलिस ने घेरा, 42 राउंड फायरिंग...मनेर एनकाउंटर की पूरी कहानी

पटना के मनेर में शेरपुर गंगा घाट के पास पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ में तीन वांछित अपराधी मारे गए। ये तीनों पैक्स अध्यक्ष संजीत कुमार उर्फ भोलू की हत्या के आरोपी थे। पुलिस की कार्रवाई के दौरान मनेर थानाध्यक्ष भी घायल हुए। मारे गए अपराधियों पर हत्या, रंगदारी और डकैती सहित कई गंभीर मामले दर्ज थे। पुलिस ने मौके से हथियार और कारतूस बरामद किए। परिजनों ने एनकाउंटर को फर्जी बताया है, जबकि पुलिस ने इसे अपराध नियंत्रण का हिस्सा कहा है।

... **और पढ़ें** ↗

आसान भाषा में समझें

सोचिए कि पूरी दुनिया में बहुत सारे कंप्यूटर रखे हैं और वे सब एक बहुत बड़े अदृश्य धागे से आपस में जुड़े हुए हैं। जब आप कोई वीडियो देखना चाहते हैं, तो एक कंप्यूटर से जानकारी उस धागे के रास्ते होते हुए बहुत तेजी से आपके फोन तक पहुंच जाती है, बिल्कुल वैसे ही जैसे एक जादुई पार्सल आपके घर आ जाता हो।

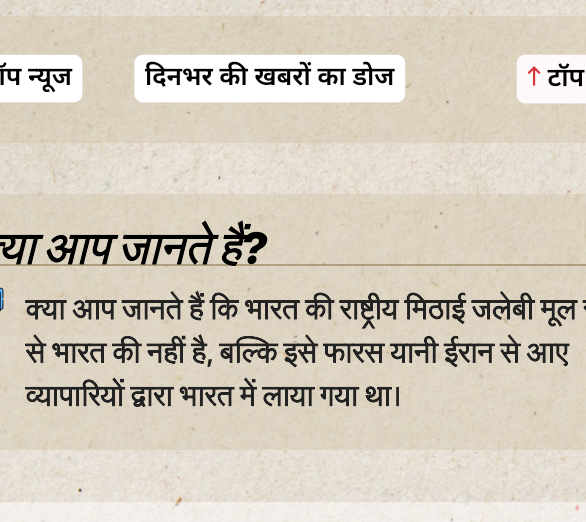

CK अनिल के आते ही शिक्षा विभाग में बड़ा बदलाव, 19 अफसरों का ट्रांसफर

बिहार शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। 10 जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी और 9 जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों का तबादला हुआ है। यह बदलाव अपर मुख्य सचिव सीके अनिल के पद संभालने के बाद हुआ है। फेरबदल पटना, सीवान, सीतामढ़ी, भागलपुर, पूर्वी चंपारण, नवादा सहित कई जिलों में हुआ। यह कदम विभाग में 34 करोड़ रुपये की अवैध निकासी और वेतन भुगतान में गड़बड़ी के खुलासे के बाद उठाया गया है।

... **और पढ़ें** ↗

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

क्या आप जानते हैं?

क्या आप जानते हैं कि भारत की राष्ट्रीय मिठाई जलेबी मूल रूप से भारत की नहीं है, बल्कि इसे फारस यानी ईरान से आए व्यापारियों द्वारा भारत में लाया गया था।

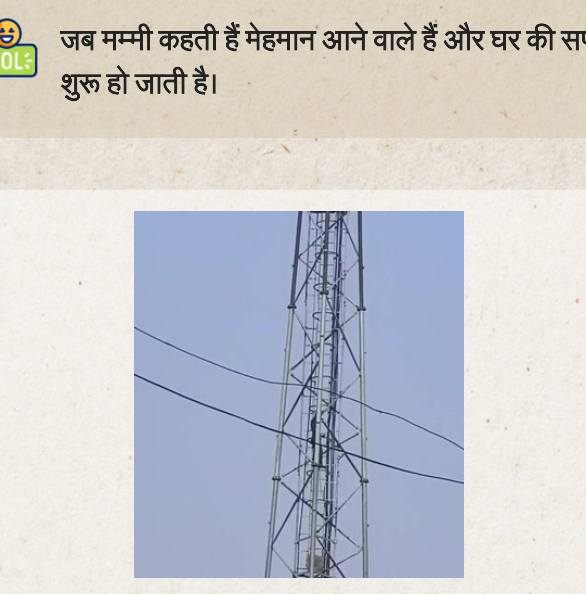

'मुस्लिम-यादव को बनाया जा रहा निशाना', मनेर एनकाउंटर पर भाई वीरेंद्र का आरोप

पटना के मनेर में पुलिस एनकाउंटर को लेकर बिहार की राजनीति गरमा गई है। आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने आरोप लगाया कि मुस्लिम और यादव समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है और मामले की जांच की मांग की। मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि अपराधियों को जाति के आधार पर नहीं देखना चाहिए। दोनों नेताओं के बयान से राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। साथ ही जेडीयू की चुनावी हार और कांग्रेस नेतृत्व पर भी टिप्पणी की गई।

... **और पढ़ें** ↗

आज का मजेदार मीम

जब मम्मी कहती हैं मेहमान आने वाले हैं और घर की सफाई शुरू हो जाती है।

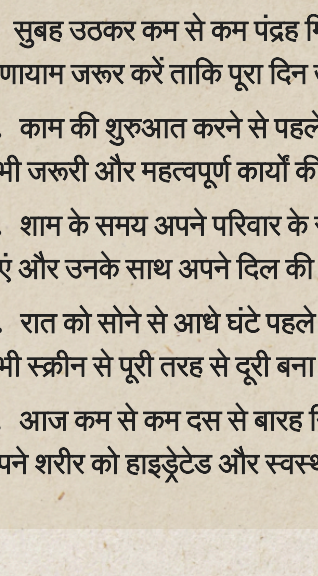

मोबाइल टावर से उतरने के लिए रखी ऐसी शर्त, उतरते ही फरार हुआ जमुई का युवक

बिहार के जमुई जिले के पोझा गांव में एक युवक ने घरेलू विवाद और शराब के नशे में मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा किया। युवक ने पुलिस और ग्रामीणों के सामने शर्त रखी कि सभी के हटने पर ही वह नीचे उतरेगा। लोगों के हटते ही वह टावर से कूदकर जंगल की ओर भाग गया। पुलिस और ग्रामीणों की कोशिश के बावजूद युवक फरार हो गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

... **और पढ़ें** ↗

आज के 5 जरूर करें

1. सुबह उठकर कम से कम पंद्रह मिनट तक योग और प्राणायाम जरूर करें ताकि पूरा दिन ऊर्जावान रहें।
2. काम की शुरुआत करने से पहले आज के दिन के सभी जरूरी और महत्वपूर्ण कार्यों की एक सूची बनाएं।
3. शाम के समय अपने परिवार के साथ बैठकर चाय पिएं और उनके साथ अपने दिल की बातें साझा करें।
4. रात को सोने से आधे घंटे पहले मोबाइल फोन और सभी स्क्रीन से पूरी तरह से दूरी बना लें।
5. आज कम से कम दस से बारह गिलास पानी पीकर अपने शरीर को हाइड्रेटेड और स्वस्थ बनाए रखें।

जब मुश्किल हो प्रेग्नेंसी और डिलीवरी, तब याद आते हैं पटना के डॉ. पंकज चौधरी

डॉ. पंकज कुमार चौधरी पटना के प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं, जो जटिल और हाई रिस्क प्रेग्नेंसी, गायनी लेप्रोस्कोपी और इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट में विशेषज्ञता रखते हैं। उनका सफर शिक्षक बनने के सपने से शुरू हुआ, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें मेडिकल क्षेत्र में ला दिया। उन्होंने भागलपुर और पटना से मेडिकल शिक्षा प्राप्त की और अब देवी केयर हॉस्पिटल, पटना में सेवाएं दे रहे हैं। मरीजों के बीच उनकी पहचान कठिन मामलों के सफल इलाज के लिए बनी है।

... **और पढ़ें** ↗

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

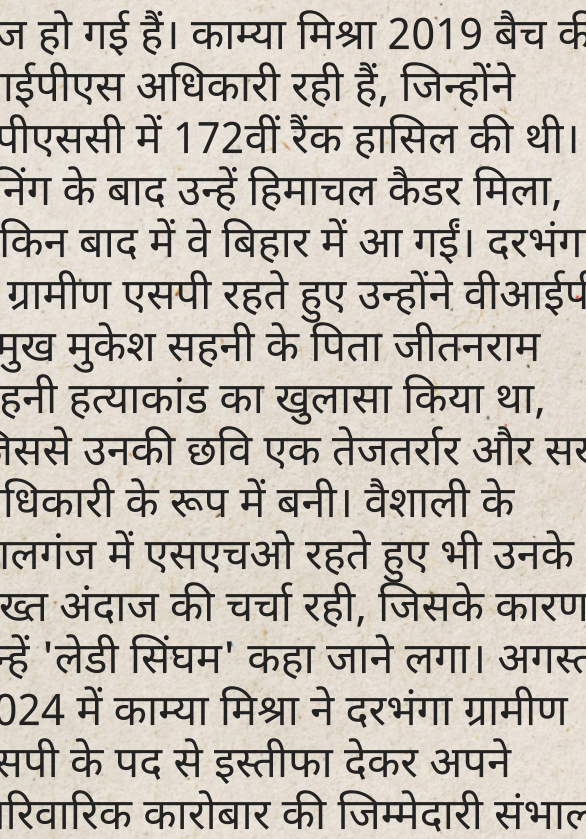

पढ़ते रहिए...

संजय झा से मिलीं 'लेडी सिंघम' काम्या मिश्रा, क्या अब राजनीति में रखेंगी कदम?

पूर्व आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा एक बार फिर चर्चा में हैं, इस बार वजह उनकी मुलाकात जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से है। पटना में हुई इस मुलाकात की तस्वीरें दोनों ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं और इसे दिवाली की शुभकामनाओं से जुड़ी शिष्टाचार भेंट बताया गया है। हालांकि, इस मुलाकात के बाद काम्या मिश्रा के बिहार की राजनीति में प्रवेश को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। काम्या मिश्रा 2019 बैच की आईपीएस अधिकारी रही हैं, जिन्होंने यूपीएससी में 172वीं रैंक हासिल की थी। ट्रेनिंग के बाद उन्हें हिमाचल कैडर मिला, लेकिन बाद में वे बिहार में आ गईं। दरभंगा में ग्रामीण एसपी रहते हुए उन्होंने वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतनराम सहनी हत्याकांड का खुलासा किया था, जिससे उनकी छवि एक तेजतर्रार और सख्त अधिकारी के रूप में बनी। वैशाली के लालगंज में एसएचओ रहते हुए भी उनके सख्त अंदाज की चर्चा रही, जिसके कारण उन्हें 'लेडी सिंघम' कहा जाने लगा। अगस्त 2024 में काम्या मिश्रा ने दरभंगा ग्रामीण एसपी के पद से इस्तीफा देकर अपने पारिवारिक कारोबार की जिम्मेदारी संभाल ली। वर्तमान में वे जीएम आयरन एंड स्टील कंपनी की डायरेक्टर हैं, जिसका मुख्यालय कोलकाता में है और फैक्ट्रियां ओडिशा व झारखंड में हैं। काम्या मिश्रा की शादी 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी अवधेश कुमार दीक्षित से हुई है, जो वर्तमान में भोजपुर जिले में एसपी हैं। काम्या मिश्रा ने पहले भी समाज में बदलाव और नीतिगत सुधार के लिए पढ़े-लिखे लोगों के राजनीति में आने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उनकी हालिया मुलाकात से बिहार की राजनीति में उनके संभावित प्रवेश को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पढ़ते रहिए...

लेडी सिंघम काम्या मिश्रा की सियासी एंट्री? बिहार के वो 11 IPS अफसर जो नेता बने

बिहार में पूर्व आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा की जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से मुलाकात के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है कि क्या 'लेडी सिंघम' अब राजनीति में कदम रखेंगी। काम्या मिश्रा 2019 बैच की बिहार कैडर की आईपीएस अधिकारी रही हैं और दरभंगा ग्रामीण एसपी के तौर पर अपनी सख्त छवि के लिए जानी जाती थीं। अगस्त 2024 में उन्होंने इस्तीफा दिया था, जिसे मार्च 2025 में मंजूरी मिली। 6 नवंबर 2026 को पटना में संजय झा से उनकी मुलाकात को संजय झा ने दिवाली की शुभकामनाओं के लिए शिष्टाचार भेंट बताया, लेकिन दोनों की तस्वीरें सामने आने के बाद अटकलें तेज हो गई हैं। बिहार में आईपीएस अधिकारियों का राजनीति में आना कोई नई बात नहीं है। कई पूर्व आईपीएस अधिकारी चुनावी मैदान में उतरे हैं, जिनमें से कुछ ने सफलता पाई, तो कई को हार का सामना करना पड़ा। सुनील कुमार, 1987 बैच के आईपीएस, जेडीयू में शामिल होकर विधायक और शिक्षा मंत्री बने। आनंद मिश्रा, एनकाउंटर स्पेशलिस्ट, बीजेपी के टिकट पर विधायक बने। शिवदीप लांडे ने अपनी पार्टी बनाई, लेकिन चुनाव में जीत नहीं मिली। गुप्तेश्वर पांडेय और राकेश कुमार मिश्रा ने भी राजनीति में कोशिश की, पर सफलता नहीं मिली। बीके रवि कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े, जबकि डीपी ओझा और आशीष रंजन सिन्हा ने भी राजनीतिक पारी आजमाई। इस संदर्भ में काम्या मिश्रा की संभावित राजनीतिक एंट्री को लेकर बिहार की राजनीति में उत्सुकता है। यदि वे राजनीति में आती हैं, तो यह राज्य के प्रशासनिक और राजनीतिक समीकरणों में नया बदलाव ला सकता है।

पढ़ते रहिए...

अनंत सिंह के पुत्र अभिषेक की सक्रियता के बीच सूरजभान के बेटे अमितोष भी एक्टिव

मोकामा क्षेत्र में छठ पर्व के अवसर पर घाटों की सफाई और मरम्मत के बहाने राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विधायक अनंत सिंह द्वारा अपने बेटे अभिषेक सिंह के विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद से क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। इसी बीच, पूर्व सांसद सूरजभान सिंह के पुत्र अमितोष सिंह भी सक्रिय हो गए हैं और उन्होंने मोकामा के 38 छठ घाटों की मरम्मत और सफाई का बीड़ा उठाया है। अमितोष सिंह की पहल के तहत मेकरा घाट, छह लेन घाट, बरहपुर घाट, बाटा मोड़ घाट सहित कई प्रमुख घाटों को छठव्रतियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने का कार्य चल रहा है। शुरुआती चरण में 17 घाटों पर काम लगभग पूरा हो चुका है और शेष घाटों की सफाई व मरम्मत भी जल्द पूरी करने का लक्ष्य है। छठ पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर एकत्रित होते हैं, ऐसे में इन कार्यों से छठव्रतियों को सुविधा मिलेगी और उन्हें पिछले वर्षों की तरह कीचड़ या टूटी सीढ़ियों की परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी। राजनीतिक दृष्टि से यह गतिविधियां इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि मोकामा की राजनीति में अनंत सिंह और सूरजभान सिंह के परिवारों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लंबे समय से चली आ रही है। अब दोनों नेताओं के बेटे अपने-अपने तरीके से जनता के बीच सक्रिय हो रहे हैं—अभिषेक सिंह राजनीतिक गतिविधियों के जरिए तो अमितोष सिंह सामाजिक सेवा के माध्यम से। इससे मोकामा की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नई पीढ़ी के साथ और भी दिलचस्प हो गई है। छठ घाटों की मरम्मत के बहाने दोनों परिवारों की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिशें साफ नजर आ रही हैं।

पढ़ते रहिए...

ब्लैकलिस्ट हुई एजेंसी को कैसे मिला बिहार विधान परिषद भर्ती के चयन का जिम्मा?

बिहार विधान परिषद में हाल ही में हुई भर्ती प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। इस भर्ती के लिए चयनित एजेंसी सीएस डेटामाशन रिसर्च सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (CS Datamation Research Services Pvt. Ltd.) के पुराने रिकॉर्ड ने पूरे मामले को विवादास्पद बना दिया है। खबरों के अनुसार, इस एजेंसी को परीक्षा आयोजित करने और अभ्यर्थियों के चयन की जिम्मेदारी दी गई थी, जबकि इसके खिलाफ पूर्व में भी कई बार गड़बड़ी के आरोप लग चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, रेगुलर मजदूर भर्ती परीक्षा सहित अन्य मामलों में एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे और पटना हाई कोर्ट ने इसे तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट भी किया था। इसके अलावा, कुछ मामलों में सीबीआई जांच की भी बात सामने आई है। ऐसे में, इस एजेंसी को इतनी महत्वपूर्ण भर्ती प्रक्रिया की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर शंकाएं उठ रही हैं। पूर्व सभापति अवधेश नारायण सिंह ने अपने कार्यकाल में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार किया है और इसे अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश बताया है। उन्होंने सरकार से विधानसभा और विधान परिषद में हुई सभी बहालियों की सीबीआई जांच की मांग की है। इस पूरे मामले की पृष्ठभूमि में यह सवाल अहम हो गया है कि एजेंसी के चयन से पहले उसके पुराने रिकॉर्ड की जांच क्यों नहीं की गई। अब विभिन्न पक्षों द्वारा निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है, ताकि भर्ती प्रक्रिया में हुई संभावित अनियमितताओं की सच्चाई सामने आ सके। सरकार की ओर से जांच के आदेश दिए जाने की संभावना पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

पढ़ते रहिए...

पाकिस्तान में बैठा साइबर ठग, बिहार में कमीशन का खेल; मोतिहारी में बड़ा खुलासा

मोतिहारी, बिहार में साइबर ठगी के एक मामले में अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। नगर थाना पुलिस ने बेली सराय इलाके में छापेमारी कर दो आरोपियों—पंकज कुमार गुप्ता और राजू कुशवाहा—को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से लगभग 20 विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, पैन कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी पाकिस्तान में बैठे साइबर ठगों के इशारे पर कमीशन के लिए ठगी की रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करते थे। पाकिस्तान में बैठे व्यक्ति युवाओं को कमीशन का लालच देकर साइबर ठगी के नेटवर्क से जोड़ रहा था। इस नेटवर्क के माध्यम से ठगी की रकम का इस्तेमाल अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में किए जाने की आशंका जताई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया है। साथ ही इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) भी मामले की जांच में जुटी है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर पूरे साइबर ठगी नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि ठगी की रकम किन खातों में ट्रांसफर होती थी और पाकिस्तान में बैठे लोगों से आरोपियों का संपर्क कैसे हुआ। सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार के अनुसार, आरोपी जिस व्यक्ति का अकाउंट इस्तेमाल करते हैं, उसका एटीएम कार्ड भी रखते हैं और पैसे निकालकर अन्य लोगों को ट्रांसफर करते हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित SIT, साइबर थाना और DIU के सहयोग से पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। केंद्रीय एजेंसियों का भी सहयोग मिल रहा है। पुलिस को उम्मीद है कि आने वाले समय में इस मामले का बड़ा खुलासा होगा।

न्यूज18 पेपर को सब्सक्राइब करें | टेलीग्राम पर जुड़ें

© 2026 Network18 Media & Investments Limited